14. विराम-चिह्न

विराम अर्थात् रुकना या ठहराव। चिह्न यानी कुछ संकेत या निशान। इस प्रकार रुकने का संकेत प्रकट करना विराम-चिह्न कहलाता है।

आपसी बातचीत में हम कई बार रुकते हैं। कभी थोड़ी देर के लिए तो कभी अधिक देर के लिए या कभी प्रश्न भी पूछते हैं अथवा कभी-कभी आवाज़ के उतार-चढ़ाव और भावों को अभिव्यक्त करते हैं। इसी अभिव्यक्ति तथा ठहराव को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए भाषा में विराम चिह्न निर्धारित किए गए हैं। जिनके कारण बात को सरलता से समझा-समझाया जा सकता है। विराम-चिह्नों से भाषा लेखन शुद्ध होता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दिए उदाहरण की सहायता से विराम चिह्नों का महत्त्व समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, यदि विराम चिह्नों का गलत प्रयोग किया जाए तो अर्थ का अनर्थ भी हो जाता है। जैसे–
  छोड़ो, मत मारो वाक्य में सही विराम-चिह्न प्रयुक्त हुए हैं परंतु **छोड़ो मत, मारो** यदि इस प्रकार गलत विराम-चिह्न लगाएँगे तो अर्थ का अनर्थ होते देर नहीं लगेगी। अत: समझाएँ, विराम-चिह्नों का प्रयोग ध्यान से समझकर सावधानीपूर्वक करना चाहिए।
- ❖ बच्चों को पूर्ण विराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न तथा विस्मयसूचक चिह्नों के बारे में बताएँ।
- ❖ इन विराम चिह्नों के प्रयोग की जानकारी दें तथा पाठ में दिए उदाहरणों की सहायता से समझाएँ।
- ❖ अभ्यास करवाने में यथोचित सहायता करें।